No. of Printed Pages : 6 **BPYE–002**

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP) B. A. (PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2025

BPYE–002 : TRIBAL AND DALIT PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Explain the socio-religious customs and practices of Indian tribes. 20

Or

Discuss the nature of tribal life and their ways of philosophising.

2. Why do we consider the violence against Dalits as structural violence ? Explain. 20

Or

Compare the notion of cultural hegemony of Gramsci with Ambedkar's notion of caste system.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) What do the different scholars say about the origin of the Munda tribe ? 10

   (b) Explain the tribal spiritual outlook. 10

   (c) Explain the emergence of the caste system. 10

   (d) Narrate some of the political struggles against caste system. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Describe the role of folklore in tribals' life. 5

(b) How does the clan system bring about social order in a tribal society ? 5

(c) What is the understanding of morality in tribal socio-religious traditions ? 5

(d) Write a note on the provisions of the laws against 'untouchability'. 5

(e) Distinguish between class and caste. 5

(f) Write a note on Shruti and Smriti. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Adivasi identity 4

(b) Manusmriti 4

(c) Tribal wisdom 4

(d) Moral evil 4

(e) Michael Foucault's concept of genealogy 4

(f) Jotirao Phule's view on casteism 4

(g) Marginalization 4

(h) Historiography 4

BPYE–002

स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम (बी. डी. पी.)

बी. ए. (दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.पी.वाई.ई.–002 : जनजातीय एवं दलित दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400–400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. भारतीय जनजातियों के सामाजिक–धार्मिक रिवाजों और प्रथाओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

जनजातीय जीवन की प्रकृति एवं दार्शनिकीकरण के उनके तरीकों की चर्चा कीजिए।

2. दलितों के विरुद्ध हिंसा को हम बतौर संरचनात्मक हिंसा क्यों स्वीकारते हैं ? व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

ग्राम्शी की सांस्कृतिक प्रभुत्व की धारणा की तुलना अम्बेडकर की जाति व्यवस्था की धारणा से कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में लिखिए :

(अ) मुण्डा जनजाति की उत्पत्ति के सम्बन्ध में विभिन्न विद्वानों के क्या मत हैं ? 10

(ब) जनजातीय आध्यात्मिक दृष्टि की व्याख्या कीजिए। 10

(स) जाति व्यवस्था के उद्‌भव की व्याख्या कीजिए। 10

(द) जाति व्यवस्था के विरुद्ध कुछ राजनीतिक संघर्षों का वर्णन कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150-150 शब्दों में लिखिए :

(अ) जनजातीय जीवन में लोक साहित्य की भूमिका का वर्णन कीजिए। 5

(ब) जनजातीय समाज में वंश प्रणाली किस तरह सामाजिक व्यवस्था लाती है ? 5

(स) जनजातीय सामाजिक-धार्मिक परम्पराओं में नैतिकता की क्या समझ है ? 5

(द) 'अस्पृश्यता' के विरुद्ध कानूनों के प्रावधानों पर टिप्पणी लिखिए। 5

(य) वर्ग और जाति में भेद कीजिए। 5

(र) श्रुति और स्मृति पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100-100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) आदिवासी अस्मिता 4

(ब) मनुस्मृति 4

(स) जनजातीय बुद्धिमत्ता 4

(द) नैतिक अशुभ 4

(य) मिशेल फूको की वंशावली की अवधारणा 4

(र) जातिवाद पर ज्योतिराव फुले के विचार 4

(ल) सीमांतीकरण (मार्जिनलाइज़ेशन) 4

(व) हिस्टोरियोग्राफी (इतिहास लेखन) 4

× × × × ×